

ASHA ARCHIVES

3527

८८ १४ मनावा ह १४ ८८

२	५	७
१	४	६
३	२	५
४	३	६

१ द्विसः धित्रसाः धननाहदयिव॥
 २ नसिसः धित्रसाः धननाहदयिवध्वत्र॥
 ३ स्वसनसाः धित्रनाहदयिवध्वत्रसिय॥
 ४ विसधित्रसाः कनहखदनमात्रिवध्वत्र॥
 ५ दासधित्रसाः सुनाहदयिवध्वत्रसीया॥
 ६ रसधित्रसाः धाननाहदयिवध्वत्रसिय॥
 ७ दसधित्रसाः नाजाहयमात्रिवध्वत्रसिय॥
 ८ वासधित्रसाः उव्रयाधितकयव॥

मि	मु	मी
५	०	५
की	५	५

मिः सुभत्रज्वनसिद्धिरीदः
 शुः नीकाविरविलः रयमात्रिवः
 नीः दधिकुदधननाहयः धनीर्थः
 जः (मृगिनि कलुमाहयः रयमात्रिवमिरयः
 दः चन्द्रस्यविजयसिद्धिः
 किः काकिविदगगसनसिद्धिः
 वः मि यनिरुत्रयति यनरुदगगसन॥

१ स्फटिकमालाशोधनविशेष ॥ ऐं प नं धं मं त्रं च धं नं उं उं इं वं कं खं गं दं उं ईं अं भं यं डं ढं
 अं रं जं पं हं सें अं दं लं भ्रां षं धं मं लं अं तं रं ऐं ओं ओं दं फं वृं ॥ मालनी भनारका पादुकां पृ
 जयामि स्फटिकशोधयामि नमः ॥ १०८ ॥ नरमाला ॥ शोधनघोरिकाष्टकन्यासे
 न ॥ रक्तचन्दमाला ॥ द्वादशांगन्यासेन शोधनं ॥ ॥ चू ॥ रुद्राक्षमालावक्त्रन्यासेन ॥
 हरथनमाला ॥ वज्रकुक्कुटमंत्रन ॥ ॥

३ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ज
 रतमः देवताय ॥ ॥ दो मनकथनं चार्थश्चेत्तु मासं शुभिता गितं
 मूखम्याचतुर्दशः कर्तुं यं गं गुहायितं ॥ गितं लक्ष्म्यं यूप्यं ॥ शुभिता
 गं च सहस्रकः ॥ लक्षाद्वचनं याकं ॥ गुरुनायगुप्तान्वये ॥ ॥ श्री
 चार्थविधिपुस्तकायाय ॥ वलिद्रुक्कमविष्टकय ॥ ततः ४ दम
 नलशायाः निर्माकन ॥ वलिप्रतः ५ ॥ गालचाः सगुणनत्वायः
 चन्दनादि सगुणत्वां शुभिता वीदः सरुः ॥ श्रानतिप्रतिष्ठा ॥ ना

यिथ्यामिदमनंदमनस्याङ्गनाकर्तः। तनत्वीयकृपिथ्यामिः
यंकस्त्वंसुस्तिनाहव॥ॐतिमुत्तामूलंयथायाम॥न्यासक
र्या॥॥अथादि॥यथागमयअमानस्यधीइह्वेसुद
वतायावर्षसुतासाह्वतार्थंस्वकर्तृव्यंदमनानाद्यनमहंक
निष्ठा॥ॐतत्स॥ॐअ॥जाग्रता॥ॐक्लींअङ्गुसायांनमः॥
ॐतिआदिकनयउङ्गन्यास॥ॐक्लींमूलप्रकल्पेनमः॥

००॥ॐमहामुक्तायानमः००॥ॐक्लींकुम्भायनमः००॥
ॐक्लींलयायनमः००॥ॐक्लींरथीयानमः००॥ॐक्लीं
मूढायनमः००॥ॐक्लींयवतिलायनमः००॥ॐक्लींमर्वा
यत्यःनमः००॥ॐक्लींयकल्यःनमः००॥ॐतिपूर्वादि
ॐऽभुतान्॥॥म॥ॐक्लींआधानगकयनमः००॥
ॐक्लींउरिचक्रकयनमः००॥ॐक्लींयुल्लगकयनमः

ॐ श्री वं व नू ल अ य म दे न वृ क पू र य म मि म् ॥ श्री ॥ य धि म ॥
 ॐ श्री ह र हू ॐ श म ना य म दे न वृ क ॥ श्री ॥ ना य य म मि ॥
 स र ॥ श्री ॥ ॐ श म न ॥ ॐ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ मा य द म न वृ
 क ना य य म मि म् ॥ श्री ॥ श्री ॥ द क्षि ॥ ॐ श्री ॥ श्री ॥
 य वा य द म न वृ क ॥ श्री ॥ श्री ॥ ना य म मि म् ॥ श्री ॥ श्री ॥
 वा य द ॥ ॐ श्री ॥ ह र हू ॐ ॐ दाय ॥ श्री ॥ द म ॥ श्री ॥

म ३
 न वृ क ना य म मि म् ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ ॐ श्री वा य का
 मा य द म न वृ क ना य य म मि म् ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ ॐ श्री ॥ मूल म
 न न ॥ श्री ॥ ल न वृ क ॥ श्री ॥ मू ना व मूल म म ॥ श्री ॥ श्री ॥
 स्व व श ॥ श्री ॥ श्री ॥ उ र्ध्व म यि य ॥ श्री ॥ ल ख र ॥ श्री ॥ श्री ॥
 न न ॥ ॐ श्री वि श ॥ श्री ॥ हि न हि वि य म मि मि ॥ श्री ॥ श्री ॥
 रु व उ कू रि ता व ॥ श्री ॥ मि मि ना रु व उ व ना ॥ श्री ॥ श्री ॥

^ॐ ध्यामि ॐ स्वाहा ॥ ^ॐ धेवाः सर्वे ^ॐ सायन ॥ ॥ दमन पूजा ॥
^ॐ वेद नरु धनाय ॥ ^ॐ वेद मनो ^ॐ नायनमः ॥ ध्यानं ॥ ^ॐ वेद वाक् सुमर्त
 काशं यथ चायधनं ^ॐ नमिना ^ॐ दृष्टा ^ॐ सदा ^ॐ दुष्टा ^ॐ दुष्टित ^ॐ कं ^ॐ दृष्टा ^ॐ म् ॥
 नतिं स्वर्गु ^ॐ युरा ^ॐ गेनी ^ॐ यीति ^ॐ दृष्टा ^ॐ दल ^ॐ युरा ^ॐ नीला ^ॐ त्यन ^ॐ मता ^ॐ वृत्तां ॥
 नाना ^ॐ युरा ^ॐ धुं ^ॐ दयं ^ॐ वसु ^ॐ नं ^ॐ गेन ^ॐ वलु ^ॐ अ ^ॐ सु ^ॐ धा ^ॐ कल ^ॐ सु ^ॐ धा ^ॐ नि ^ॐ नं ^ॐ अ ^ॐ गे ^ॐ न
 क ^ॐ युरा ^ॐ चूर्णु ^ॐ अ ^ॐ सर्वा ^ॐ रु ^ॐ न ^ॐ द ^ॐ ग ^ॐ म ^ॐ ति ^ॐ नं ॥ ॐ ति ^ॐ ध्या ^ॐ स्वा ^ॐ युरा ^ॐ नं ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ग

नं १ पा

क नाय ॥ ^ॐ वेद ^ॐ का ^ॐ कि ^ॐ वृ ^ॐ के ^ॐ को ^ॐ क ॥ ^ॐ श्री ^ॐ काम ^ॐ द ^ॐ वा ^ॐ य ^ॐ या ^ॐ य ॥ ^ॐ वे
 न ^ॐ ना ^ॐ नि ^ॐ नृ ^ॐ नो ^ॐ न ॥ ^ॐ नृ ^ॐ नृ ^ॐ नृ ^ॐ नृ ॥ ^ॐ वेद ^ॐ या ^ॐ यि ^ॐ य ^ॐ य ^ॐ यी ^ॐ ल्ये ॥
 ॐ ^ॐ श्री ^ॐ व ^ॐ म ^ॐ का ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ य ^ॐ अ ^ॐ वा ^ॐ ला ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ य ^ॐ अ
 का ^ॐ द ^ॐ ला ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ म ^ॐ न ^ॐ या ^ॐ मि ^ॐ ला ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ चू ^ॐ ना ^ॐ कू ^ॐ ला ^ॐ य ॥
 ॐ ^ॐ श्री ^ॐ का ^ॐ कि ^ॐ ला ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ वि ^ॐ का ^ॐ ला ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद ^ॐ ॐ ^ॐ श्री ^ॐ म ^ॐ ला ^ॐ य ॥ ^ॐ वेद
 ॐ ^ॐ श्री ^ॐ नृ ^ॐ नृ ^ॐ ग ^ॐ य ^ॐ वि ^ॐ प्र ^ॐ ह ^ॐ का ^ॐ म ^ॐ द ^ॐ वा ^ॐ य ^ॐ धी ^ॐ म ^ॐ हि ^ॐ त ^ॐ ना ^ॐ द ^ॐ म ^ॐ न ^ॐ क

१५ चादया ॥ १५ या अलि ॥ जे जे जे की थी मुी डू की की की जे डू
 हि जून गवन न द मन स्व वि य द नू य म् ली म् ली (ये) म् सर्व चित्ता
 क स क म हा व ल य लो क म (ये) य म द न म न (ये) य म न लो क
 भा न क्री क्री क्री क्री क्री ॥ ०० द व लिंग द २ ग द य य २ स र्वा ॥ सिद्धि
 सा ध य २ स र्वा ॥ १ मि भा ह य २ य मा द य २ रु सा रु व रु सा रु व यू
 सा रु व डी डी डू डी डी डू डू न म ॥ स्वा हा ॥ पू य दी य नै य य

१५ ॥ जे की ०० ॥ सा रु ॥ जे स र्व द व यि यं द वं स र्व सां द द य कि
 तं ॥ स र्व आ यि म् य द व का म द व न मा मु तं ॥ क न्द य र्क म् सां तां का
 म का मा रु स रु वं ॥ द म नं वृ द्ध नू य त्वं सू य ति सा रु म् स दा ॥ ना
 रा य ण य न ॥ ॥ अ रु म नु न वि स र्ज न ॥ क न्द (भा य नि सा य नं ॥
 स रु रु न यू रु न ॥ या र्थ ना ॥ आ भा यि ता मि य (क मि न् य द थ
 त्वं म या म् न ॥ त दि दा नी के नि म्मा मि द म ना हा य ति गृ ह्ण तं ॥

युलियत्यतयानूदं जीविनामियतः स्मनः अतस्त्वं यैनायत्वां य
र्थं अथीकोमायां मनवत्ततो तावदतादृगवत्त्वनिष्ठं यत्कृष्येति
तः ॥ कालिकायावदहं कलांतिदमनाच्चनं ॥ ॥ अतदमनयाः
कं आह्लाकायावत् ॥ ततः अधिवासनं ॥ चतुः स्मनः न कच
न्दनसंयुक्तावतयाहय ॥ ॐ अयत्तवेनाह ॥ अयादि ॥ जाम
तितांतिदवशिः सहदेवागलधनः ॥ मनुजोलाकयात्त ॥ स

हितं यन्निवातिक ॥ निवदयाम्यहं तुल्यं अयमं दमनं शुभं ॥ नि
यमः अकलित्यामियनमस्त्वं नयावाक्कया ॥ स्वस्वमनुनेकुलमात
द्युदिदवाच्चनकमनः ॥ धिवासनं कालयः ॥ ॥ तत्तुमात्माधिवा
सनं ॥ शक्तिः अदिनददः ॥ अयं ॥ मूलमनुनरिधा ॥ यत्तु ॥ क
लगमय आसक वाक्यं ॥ दमनगतिः ॥ अयादिवाक्क ॥ यद
यदिक्का नाम कूय ॥ त्वाकमहावलि ॥ धूयः दीयः नैव अजयः

दग्धः जीवसविनायः ॥ लल्लनूदणदयालूना। तथासंनदग्धमां
 लं जीवयकृपयुते ॥ तवदहस्वयुयं दमननामूनामन। वावि
 काञ्चासमाश्रुथं पूरुयिस्वामिभूमायाकालिकां ॥ अरुगन्धादि ॥
 दमनकोकाय ॥ यथाकथनदाय ॥ दमनगमयशामयधकृपं ॥
 मूलमल्लनदणधकृप ॥ ॐ स्वतवानाह ॥ अद्यादि ॥ वैरुकेला
 सैम ॥ ॐ ॥ विद्यायी ॥ समस्तहि तथैवैकचनागणनस

पी ० ७

मस्तकूलदयानां कूलधुनीसमन्वितं । आमलितामयासर्वादमन
 दासनामना ॥ जेयूनयरममसाम्बनीकयूतनित्यनेमिर्लिकरु
 लयफयेदमनयुष्यनिबदयामियति ॥ स्वाहा ॥ स्वस्वमल्लनदण
 लमार्क ॥ अदिदवाञ्चनकमनदमनानाहनकानय ॥ ॥ मू
 लमल्लनगिधकृप ॥ आत्मदमनय ॥ अद्यानवकृवतीमि ॥ ॥ मू
 लन ॥ ॥ य ॥ कूलगमयति ॥ ॐ अद्यवाहनाह ॥ अद्यादि ॥ के

लाशयी ० ति ॥ वाक् ॥ दिहायानामकाय ॥ निर्वृत्तमलाकसासूल
मनुनं ॥ पिवनमालककनक ॥ उमनूः यष्टुः पूरुकादिक्काय ॥
वल्लिखाळं विय ॥ ॥ अर्घविय ससुसः इदुः अलिः वलिः रु
लः तवसिः इर्वी इकनः ॥ सुवर्षुः इथदाडा यजमानः यूटनच
स्यं अर्घविय ॥ वाक् ॥ अश्वानाह ॥ अयादि ॥ उं गं रे इर्वी इकन
युष्यं रुलकनक यूतं याकनं वीरु यूनः गन्धर्वी येव तिलव अ

लि वलि सहितं मनु दारिणं वल्लुर्गुं यत्यावन अ यति सनः
दिमयादह मर्घं रुहालशी मक्ति ॥ अन्तिकर्ण इनितरुयहन
दवदवी यसीद ॥ अर्घायं दवद वंशी यूर्षुर्थं ममकामना गृहा
लार्थमयादह शाङ्गं रुवगु यूकनं ॥ मूलमनु यदयलूय ॥ संख
अक्षमूखी कृत्वा ॥ यार्थय ० ॥ मलुलरुयमुगुं ॥ निदिमिद्विवनं
दहि आयूनाना ग्धमं यदं ॥ यूर्षुदहि वनं दहि यग अ दवद

हिम ॥ दहिल श्रीधनं धानं नाश्रुल श्रीयूनः यूनः यदात्यनमभानि
 कृत्ति कायनमधुनी ॥ कन्दर्परुस्मनाथयसर्वयापहनायचाद
 मना नाहनः खेवरुर्वरुयनियर्लुता ॥ जें ॐ दं गमरुदमनकं गभ
 भूयतदीयं वलियरीयथाविधिर्नम्यारुकिनांतं स्य यदि कुरु
 शुरुं रुवं ॥ अरुगन्धादि ॥ धूयदीरुयस्तु ॥ स्वादं वानं ॥ हरी
 यतर्प्यता ॥ ॥ मनुनकुं ॥ माहाकालसंहितामहाकालनयसु
 लावन

कसयिकायाश्रुल ॥ ॥ तशोदो कालनिर्लुय ॥ तद्रुका महाका
 लसंहितायां ॥ कालरुदीयामखमु शुक्रयक्षामधर्मितः ॥ मधुमा
 माधवो अष्टः शुचिस्त्वधमउच्यते ॥ ॥ अष्टधदिग्युक्तन ॥ जें हं
 सासनाय ॥ जें गरासना ॥ जें दोंधीं कुं फो लूं ॐ दा यवरुहका
 ययागमहाकुरुयालाय अगिना ममहा रं वायवकावा मंकिर
 हिताय हउक कुरुयाला सुनाधियन कालिकाय २ ॥ पूर्व ॥ जें

वृषासनाय २॥ **जै** कागममनाय २॥ **जै** नूं आरग्नयं शक्तिहृदाय
वनूषमहाकुरुनूरेनवायमाहधनीशक्तिरुहितायशियूना
नककुरुयालायतंकुसाधियतयकालिकाये २॥ ~~का~~ आरग्नय ॥
जै मयूलासनाय २॥ **जै** महिषासनाय २॥ **जै** मूंयमाय
दलुहृदायकालायूलकुरुचलुमहाहंवायकोमाजीशक्तिरु
किरुहितायअग्निवतालकुरुयालायनूं कूंसाधियतयका
नना १

लिकाये २॥ ~~का~~ गनूजसनाय २॥ **जै** यतासनाय २॥ **जै**
कुरुनेर्मर्त्यस्वहृदायअहहामकुरुकाधहंनवायवेधुवीश
किरुहितायअग्निजिह्वाकुरुयालायनाकसाधियतयेकालि
काये २॥ नेर्मर्त्यथा॥ **जै** महिषासनाय २॥ **जै** मकनासनाय २॥
जै वूंवनूषययाशहृदायअयनिकुरुउन्मरुहंनवायवाना
हिशक्तिरुहितायकालाकुरुयानाऊलाधियतयेकालिकाये
स्वो १ य १

२॥ जैंगङ्गा स्त्राय २॥ जैहनिना स्त्राय २॥ जैऊर्युं वायुवृद्ध रुह स्त्राय
 यचनिष कं गु कयाली मरु वायु ०० दुली शक्ति सहिताय क
 लाल कं गु यालाय यवनाधिय यै कालिकायै २॥ जैयता स्त्राय
 य २॥ जैअध्वा स्त्राय २॥ जैऊमूं वृवनाय गजह स्त्राय न कस
 कं गु री वल रं न वाय यामू ०० शक्ति सहिताय न कया उं
 गु यालाय धनाधिय तयै कालिकायै २॥ जैसिंहा स्त्राय २॥

जैवृषा स्त्राय २॥ जैऊ हूं ०० शिनाय शि गूल ह स्त्राय दवीकाट कं
 संहान रं न वाय महाल श्री शक्ति सहिताय ली मनूय कं गु या
 लाय लताधिय तयै कालिकायै २॥ जैकूर्मा स्त्राय २॥ जैऊ अ
 श्वीय चक्र ह स्त्राय कूर्म वृद्ध कं गु यालाय अश्वीधिय तयै हा
 तक रं न वाय याताल शक्ति सहिताय नागधिय तयै कालि
 कायै २॥ जैहंसा स्त्राय २॥ जैऊ उर्दीय यम ह स्त्राय जमल

कुरुयालायउद्घोषियतयकालिनीशक्तिरुहितायदामलादि
 हेनवायस्वर्गधियतयकालिकायै२॥वलिमू०दा॥ॐतिदि
 ग्युऊन॥ ॥ अ०५४चलुकाग॥मऊतथंमालकायायाउवा
 य॥गुनूनमस्कानादिसूर्याय॥कलयाउअर्ययाउरुतशुद्धि॥
 विमखन्याम॥जैचूंकलचलुधनायअमृतायरु०॥ॐ॥सादि
 कनमउङ्गन्याम॥धीसम्बलीआवाहन॥शिदवेपूका॥आ

वि३

पू०४

ह्रीं॥जैआरौनगकाय२॥८॥चूंकलचलुधनाय२॥ध्यान॥जैंगः
 समहुतनूयलुःकलचलु०॥८॥हृताशिनैःद्विभुजैकमूरवग्या
 मैखद्वात्यलंकाविनी॥रागयाउन्वितैनीर्दयद्रम॥विचिन्त
 य॥आवाहनादिस्तानःचन्दनःसिन्दूरःधूपःदीपःनेवद्यसम
 यःअलिःवलिःकरुलःमुखशुधिकाय॥जैचूंचूंकलचलु
 धनहेनवाय२॥जैचूंचमलवनयींकलचलुधुधनीहेन

ओ २ ॥ वरु ऋ वलि मूडा ॥ वूं वलुध नाय २ ॥ वूं वलुध नाय २ ॥ वूं वलु
 यों को लाय २ ॥ वूं निर्माल्य षडि हा नाय २ ॥ वूं न कू माला य २ ॥
 वूं समन षडि नाय २ ॥ वूं कर्म साक्षि २ ॥ वूं महा ते न वाय २ ॥
 जा वाह नादिय वि शुक ॥ ग्रन्थि २ ॥ वाक् ॥ कला गयी १ ॥ थ
 नद मन इ सा काय ॥ ॥ वें जी शी वूं कूल नाथाय सर्व तत्वा
 धियत य सर्व कान ध्यानि नाय ग न्ध व वि शुक याय ॥ वें

गन्ध ३ / क २

पालि १

वूं कूल नाथाय सर्व तत्वा धियत य सर्व काल ल नाय साम्ब हः
 नी क पूजाय वि शुक याय ॥ वलि मूडा ॥ धूय दीय रु य ने वं य
 जें वूं वूं स्वाहा ॥ ३ ॥ स्तोत्र ॥ सम्वर्त्ता ॥ च ली मूली क तं तु ली चर्म
 सन वूं दी फि क । गरु चर्म धनं द वं च लु नाथाय त नमः ॥ रु
 ग वृत्तः ॥ त्वत्प सादन पूजा रूल म खलि तं । मू मा मु त त्पू र्ण
 पू र्ण त्वत्प सादा ७ व हा मम ॥ त र्य ॥ वें जी शी वूं कूल च लु नाथ

२ तत्परं गव न कुलचलुषं कर्म साहित्यं प्रवहति । मया कुरुतुलं सर्वं न कुरुतुलं यद्वसदा ३
यं दं निर्मात्यानि वदयामि ॥ अकानं कति ॥ अम्वं पूर्वगं गां वृत्ति ॥
चलुनं वलिनं विसर्जनं ॥ निर्मात्याः दानः ये हे ॥ अनन निर्मात्या
आकामं नित्यं गच्छ २ स्वाहा ॥ शोखिनं तुल्यं ॥ चलुः वृत्तिनं
चुयकं ॥ यति काशलावकाय ॥ वीनरुनादि स्नानयादयं दाल्य ॥
जूरि (शय) ॥ चन्दनादिः अशीर्षाद ॥ यति काककाय ॥ सूर्यसा
दि ॥ वीनराशं ॥ वृत्तिचलुकाग ॥ ॥ नमः १ गुच्छ कात्यै २ ॥

आमनुनयुष्यजनयाचकं ॥ दवाञ्जनं ॥ मालिनीयं वलिः रि
दवः दिग्युका ॥ धमरुयाङ्गं दवाञ्जनं ॥ मालिकेयाय ॥ निर्मक
ननु सख्यस्त्रिकयाय ॥ कायति तां मुयाङ्गं निवाय ॥ कचलानि
कलः युथमनावगुणनः ॥ द्वितीयनताउलः ॥ अउलानसंयुक्तः
मनःयविशुकसंकायः ॥ पूर्ववत् स्वस्वनादिकृत्वाः ॥ अथानादिः
यश्च रिमं नुनमनाथः ॥ आस्तः ॥ उं जीयविशुस्त्रायि २ ॥ ध्यान ॥

[illegible][illegible]

ASHA ARCHIVES 3527

ASHA ARCHIVES 3527

शिव प्रसाद शर्मा के द्वारा लिखित
महाभारत का हिंदी अनुवाद

१॥ नाम नाम च ॥

ॐ जूर्वर्षु ध्वनी य कृत्याय न गिवन्ति वर्षादायि नी स्वाहा ॥ १०० ॥

आवाञ्छाधुमयाभाधन॥तथा॥उं नैऋतं दीक्षीतं सुग्रीहं क्रौञ्चं

(ॐ) क्लं दं क्षी र्नी रू खं नी म्या मी मी रूं रुट् ३ स्वाहा

॥ गायत्री ॥ धृ कं

यः कुरु ॥ रुल्य सादिल मु ॥ इ ॥ यममतत्व या नगममम

विमर्षयुक्तान्किददायनि वर्तन ॥ जैं प्रथमं वृक्षदेव

तुं द्वितीयसामदवताः तृतीयवंदिदवः चतुर्थः कलनायकः यः
मंतागदवताः षष्ठकमानदवताः सप्तमं राक्षसं याकं महादवाय
मंयनं नवमसर्वदवानां नवतनुयकिर्हिता ॥ अरुगन्धदि ॥ ला
हायतिष्ठा ॥ ॥ ततः अधिवासन ॥ अयध्वतवानाह ॥ अयादि
उं दीं दूं कीं दूं केलागयी ० मधुसूक्तं कालनानन्दविग्रह ॥ अरुः य
० समायुक्तं आगिनीशिद्धि संयुक्तं ॥ आमन्त्रितानि कयानि कोल

गंसह लेनवंगु दुरुदवदवगु द्वायालं यविरुक्तं ॥ वरुः कुरु
मायुक्तं मयदुग्ममन्त्रितं नवधा उगसिद्धा अरुगुर्वीरुचः
म४ समन्ततः ॥ आमन्त्रितामयारुक्ता गन्धयुक्तं यविरुक्तं विद्यायी
० संस्मृति तथा वैख्यली गलन समस्त कलदवगु कुलधुन सम
न्त्रित ॥ आमन्त्रितामया सर्वायुदगनाग ७ ॥ वाक् ॥ अलयाणादि
मूलयति वार्त्तदि कलसः कुम्भ ॥ यूनः आवाहनादि वाक् सह

स्वस्वप्रलुनयूजा कर्मनदद्याधिवाहनं कालय ७ ॥ आत्मनयि ॥ अ
द्यानादि ३ ॥ मूलत ॥ गमयती ॥ संकय ७ ॥ वाक्यनमह आनाह ७ ॥
कया कृति ॥ वलिः मूडाः धूपः दीपः नेवद्यकयस्तु निव्यरु
कयाय ॥ ॥ पुनः द्वितीया ॥ धन ४ ॥ ॥ ततः यविशुकविः
धि ॥ आचमनं ३ अद्यादिगुननस्कानादि आत्मज्ञानं कृत्वा ॥ अ
द्यधनवाह ॥ अद्यादि ॥ केला १ ॥ दानः कुलयाजादिदिदवान्क
ना

मानाहय ७ ॥ गुरुकलणग ४ कुरुगुरु महायागवाक्य ॥ आम
रुतागिदवगिसहदद्यागलधुनीमनुसैलाकयानेयमहितं
यनवानकनिवदयाम्यहदुर्गं अद्यमगुयविशुकं नियमअ
कनिष्ठासि ॥ यनमधुनयावाक्य ॥ जे पुनय २ वर्षवर्द्धनयन
मधुनायवाक्यगगनमयाकृतन्युधिवततः सर्वमयुर्लुतायां
यविशुकनकुलिकुयामि ॥ ग १२ यकिम ॥ अद्यादि वानाह ॥

कात्मात्मनात्वाद्यद्वयं अहं वामकविषो। कृतकृष्टसमस्तं कृतं तु
यस्य समस्तं ॥ सर्वमनात्वाद्यदीयविश्वं दाहतामवा ॥ गृह्णन्तु देव
दवगियविश्वं नृक्षलपितं ॥ ॥ गृह्णन्तु उग्रचक्षुः ॥ मनुष्यववाक् ॥ आ
मन्त्रिणां सिद्धवन्ति उग्रचक्षुः यनां विंकां चक्षुः कां नृदचक्षुः आकाश
दिगलसंयुतं गृह्णन्तु देवदवगियविश्वं नृक्षलपितं ॥ ॥ मनु
२२ ॥ गृह्णन्तु दक्षिण ॥ अथवा नाह ॥ अथादि ॥ कालिकां दक्षिणायाना

महाकालनसंयुतं कवचदत्तानगममहाभक्तवैनेशिनीः गृह्णन्तु
देवदवगि ॥ ॥ सिद्धिलक्ष्मी ॥ गृह्णन्तु ॥ अथवा नाह ॥ अथ
दि ॥ रुगवन्ति देवदवगिसिद्धिलक्ष्मीरुगत्य तानूनाम्ना ॥ अधिक
यिक्तमया हनकृतं तत्सर्वं कुरु सूर्यं मखलुर्वायुसादत ॥ आत्मा
मनु ॥ ॐ नमः सर्वसिद्धिायामिनीया नमः सर्वसिद्धिमाह्वयः न
मः नित्यादितानेन्दनन्दिताये सर्वकलकलनायैकारुगवत्यै च

उ कालि नो ग अथा ॥ ॐ क्रीं कूं हूं हूं क्रीं क्रीं नमः ४ यदमहं सिनी निर्व
लमार्गद वीषमाय वयुगमनिम कदलिका निष्कृण्णद लनिर्वयिदा
काधिननलिमकल गयुमथनीदवी जागक २ दस २ वला २ ननन
धिनाकवहा रुक नीख ग रु नम ६ २ खाहि २ शिगूल नरिन्द्रि २ कि
न्द्रि २ खज नता उय २ क दय २ ताव आव नमम सकल मनी नथा
साधय २ यनम कानूली करुग वतिमहा हें नवनूय धा नै ला शि

दशनमित सकलमनु मातः ४ यदात रुन वत्सल दवी महा कालि
कालनाशानि ॐ हूं ३ पुसीद नागु नां क्रीं कूं २ सूना सून कर्णिका
क्रीं श्रीं हूं रुट स्वाहा ॥ नावा कन ॥ आसन १० ॥ सूनयाय २
४ ॥ अय वानाह अयादि ॥ आमनुता सिदवगिगु अ कालीमम
नित ॥ वत्सनाक महादवाणि नाह मरुता मया हागा युक्ता न
चिन्तानि कयानि तव शं वयायाय शिरु विगु हार्थ क म नयः

१०० ॥ संहाल ॥ खुं महाचलु आग धनी चलुक मसा धनि सर्वगामम
निरुगला उक नलिमहाकाल सक र्षलिमहारु कलि नूड का ध
निसर्वग रु यमर्दनि महापाय यमाचनि यागिनी सिद्धि युदाय
निलगमा कय दकी रूट खुं रूट वी रूट रुगवति संहान धनी
खुं रूट स्वाहा ॥ १०० ॥ खुं मे हा चलु आग धनी अम्बा याद
॥ खुं मेहाचलु ~~१००~~ आग धनी अनाक कालि रूट याद ॥ खुं

महाचलु मुख चलु आग धनी रूट चलु ३ स्वविमाचनि सर्व
सम अलाय विद्या तति ना काम यी अमूर्त मूर्त आसा असा नि
सिद्धि निद्धि युद सर्वदा या न्न सयु अरि समय य सर्व सर्वगत
अनूय की रूट खुं रूट हूं को क्षा सर्वविद्य धनी रूट स्वाहा ॥ १०० ॥
खुं महाचलु आग धनी अम्बा याद ॥ म नखरु ल महाचलु यउग
यशवनि अम्बा याद ॥ खुं रूट महाग शावति सर्वयायनका

नकि सर्वधनी उग्रहिकला द्वादशयनिवर्त यमनु तं रुख नूय
यनरुखा यद नस्मिन्नय गत्वा तीत अवरु वरु विग हविआ वलास
किला वच रश्च च न नीखा नखः ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ य फ ला साने
स्वाहा ॥ १०० ॥ वलि ॥ ॥ आस्त न ॥ य १० यथ म ॥ यू ३ वाक् ॥
अमन्ति ता द या या ॥ द भव कु महा काली सफा वै गति लाः
च न उ ग्र धा न मुखी ग्या मा ना गल का अखि ता महा सिद्धि यद

दविकालिवक्त्रस्वनूयिताः पुष्पीदतनु यज्ञायां सर्वसिद्धिः
ययकृम ॥ मनु १० गविद्या ॥ य १३ मनु १० समयविद्या ॥ य
१० मनु १० ॥ सहयुष्याः ॥ दशवक्त्रका ॥ य ४ य ८ ॥ आमः
नितासिकोलस्यामहकालिका ॥ गृह्णन् कालिकदवीशिका ॥ एषाया
वलिता ॥ य ५ कालिसमायूक ॥ अथ कालिसमन्वितं ॥ नवदाद
गसमायूकमथ गमनवासिनी ॥ वक्त्रादि समायूकं ॥

चर्लदि ॥ यलि वाल्त्यः आलाहय ॥ ७ ॥ आत्मयविउरुय ॥
 मूलन ३ अयालेन य उंग ३ ॥ गम गमयति ॥ अय वा नाह ॥ अ
 यादि ॥ उ या अलि ॥ ७ ॥ महावलि नद्या ॥ अर्घ ॥ अयादि ॥
 अर्घा यंद वद वगियु लुर्थ मकल मम कालि का चन दत्व थ
 याव कालय विरुक्तः नतु नान नद वगि सा रु व रु य रु न ॥
 अरु गन्धादि ॥ धूः दीः नेः रुः अयः स्फा ॥ य शु न र्थ ॥ य मा

वि
 दः समय ॥ ७ ॥ नादिदि ॥ सति कु दू वलि विरुक्त ॥ नित्य क
 र्म या य ॥ ७ ॥ च लु का गे चन विधि थ या य ॥ शु रु म म् ॥ ७

सप्त ॥ ७ ॥ अरु कु दू या द ॥ य नि धन वाल कु दू दी य र्क क य

रने मायाः पश्च पु नवा ॥ मूला ॥ मनु की र्ति ॥ पद्म धनू रु नु या ॥ या
 मरु मूला सु पश्च म ॥

१॥ (६॥) यनमः ॥ (१॥) जी विरु वातात् न नूजा दा की व मा धी म था । स्वा
हू नी नात्रिके ल ज नि ता (१॥) जी व रा ग प दा । य ह्री सिद्धि पू ता ल ज वि न वि
धि । डा की व रा ग प दा । मा धी मू कि कू ली वि प क म म नी । स्वा हू वि का डा मि
थ ॥ (१॥) जी मु क नि मि ता ॥ वि ह्री ए व का नू ल म र वा ॥ ता स त नू जा । ता ल न
स मा ॥ डा की । मा दि सि न स ॥ मा धी । मू धू न स ॥ स्वा हू नी । स्व हू न स ॥ ना त्रि
के ल ज नि ता । न ति क्रा स न स ॥ आयुः ॥ का नि सो रा ग्य । कू न सं स्तु त पा न
तः ॥ अ ह्री य यी स्व व न र्व । प त न वि वि व र्ज ना ॥ ये नै व वि ष स्व (१॥) न मि
य न स र्व द हि नः ॥ त नै व वि ष स्व (१॥) न वि ष कू ना स य दि ष ॥ अ ह्री य

यु धि ते (१॥) व दू न्ने धे न्ने न्ने व र्जि ते ॥ रु रु रिः ॥ य न पा नु से रु र्थि तं नि
॥ रु लं रु वं ॥ ॥ ग न न्ना नू य धा ल न् स ग्म म धू न जा य धा । त था पि
आ ग मा स र्व स र्व धा मू य ति ह ति ॥ य धा मू न न दी र्गं रु म । सा न न प वि ष न
य ॥ त था पि आ ग मा स र्व प ष्चि म् सि रु द र्ज न ॥















